

18.10.24 दोनो पत्रो के कावियकता उपलियत।

वक्त मुरी गउरी वक्त 42 प्ररु किमा  
तुमा पत्रावपी का गकभीता पूर्वक आलोचना  
किमा। विमो पापा की उलगात उरुण  
मे वारी हकगत आदेश को प्रयावर रतना  
अचैत उचित वेता है। उकी हत मे  
यामी का आदेश लीकट कीमा याम  
न्यायमद हाया हेरा वारी हकगत आदेश  
दिनांक 02.8.2021 को सुनवास के निर्णय/आदेश  
तक कायम किमा यार है।

पत्रावपी उरुण सुपाट होकर दारिद्र  
होकर है।

उपखण्ड अधिकारी  
(S.D.O.) बालोतरा

प्रिन्सिपल आरुण  
उपखण्ड (S.D.O.)



प्रिन्सिपल आरुण के लिये  
होकर है।